

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

शिक्षा से आत्मविश्वास, मार्गदर्शन से सशक्त पीढ़ी : कार्तिकी शिरीष भोसले की प्रेरणादायक पहल

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



बच्चों की क्षमताओं को पहचानकर उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने का प्रयास

शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान देना या परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि बच्चों की क्षमताओं को पहचानना, उनके व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करना भी है। इसी सोच के साथ सौ. कार्तिकी शिरीष भोसले शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। वह शिक्षिका, प्रशिक्षक, शिक्षा उद्यमी और अभिभावक मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रही हैं। मुंबई के शीव क्षेत्र में स्थित 'आश्रेय गुरुकुल अकैडमी' की संस्थापक एवं संचालिका के रूप में उनका प्रयास विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना है।

कार्तिकी भोसले का मानना है कि प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमताओं, रुचियों और सीखने के तरीके के मामले में अलग होता है। इसलिए बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं को समझना अधिक आवश्यक है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए वह ऐसी शैक्षणिक प्रक्रिया पर जोर देती हैं, जिसमें विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने, प्रश्न पूछने, नई चीजें सीखने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने के अवसर मिलें।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास पर जोर

आज के समय में शिक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती यह है कि विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ जीवन में उपयोगी कौशल भी सिखाए जाएं। केवल पाठ्यक्रम पूरा करना पर्याप्त नहीं है। बच्चों में विषयों की स्पष्ट समझ, तार्किक सोच, संवाद कौशल और समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करना भी महत्वपूर्ण है।

'आश्रेय गुरुकुल अकैडमी' के माध्यम से कार्तिकी भोसले विद्यार्थियों को व्यवस्थित शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करने की दिशा में काम कर रही हैं। उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण में विषयों की अवधारणाओं को स्पष्ट करना, विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान देना, नियमित

मूल्यांकन करना और उनके कौशल विकास को प्रोत्साहित करना शामिल है।

इस प्रक्रिया में विद्यार्थियों की सीखने की गति और उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को समझने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रखते हुए उनमें सीखने के प्रति रुचि और स्वयं पर विश्वास विकसित करने में सहायता करना है।

उनकी यह सोच शिक्षा को अधिक संवेदनशील और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जब बच्चों को अपनी बात रखने, गलतियों से सीखने और अपनी क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिलता है, तो उनके समग्र विकास के लिए बेहतर वातावरण तैयार हो सकता है।

‘आश्रेय गुरुकुल अकैडमी’ के माध्यम से शिक्षक सशक्तीकरण

कार्तिकी भोसले की पहल का एक महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा के साथ रोजगार और व्यावसायिक विकास के अवसरों का निर्माण करना भी है। उनके अनुसार उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अकैडमी के माध्यम से दस से अधिक शिक्षकों की टीम तैयार की है। इस पहल से विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षकों को अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करने और पेशेवर रूप से आगे बढ़ने का अवसर भी मिला है।

शिक्षा के क्षेत्र में एक संस्थान का विकास केवल विद्यार्थियों की संख्या या शैक्षणिक परिणामों से नहीं मापा जाता। शिक्षकों की गुणवत्ता, उनके प्रशिक्षण, कार्य करने के वातावरण और विद्यार्थियों के प्रति उनके दृष्टिकोण का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

शिक्षकों को एक साझा उद्देश्य के साथ जोड़ना और उनके कौशल का उपयोग विद्यार्थियों के विकास के लिए करना किसी भी शैक्षणिक संस्थान की मजबूती का आधार बन सकता है। कार्तिकी भोसले का प्रयास इसी व्यापक सोच के अनुरूप शिक्षा को एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में आगे बढ़ाने का है।

पुरस्कारों से मिली पहचान

कार्तिकी शिरीष भोसले के शैक्षणिक और उद्यमशील योगदान को मान्यता देते हुए ‘किड्स इंटेलिजन्स’ की ओर से उन्हें वर्ष 2023 में ‘सपोर्टिव टीचर अवॉर्ड’ प्रदान किया गया। इसके बाद वर्ष 2025 में उन्हें ‘मल्टीडायमेंशनल टीचर एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया।

ये सम्मान उनके शैक्षणिक कार्य और शिक्षा उद्यमिता से जुड़े प्रयासों की पहचान के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। एक शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के साथ काम करने और एक संस्थान की संचालिका के रूप में शैक्षणिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी अलग-अलग प्रकार की क्षमताओं की मांग करती है।

उनकी यात्रा इस बात को सामने लाती है कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवर अपने अनुभव और विचारों के आधार पर संस्थागत स्तर पर भी योगदान दे सकते हैं। हालांकि, किसी भी शैक्षणिक पहल की दीर्घकालिक सफलता का आकलन विद्यार्थियों की प्रगति, शिक्षण की गुणवत्ता और अभिभावकों के अनुभव जैसे पहलुओं से भी किया जाना चाहिए।

बाल शिक्षा और गतिविधि-आधारित सीखने की दिशा में पहल

कार्तिकी भोसले ‘किड्स इंटेलिजन्स – पावर्ड बाय आईची शाळा प्रीस्कूल एंड एक्टिविटी सेंटर’ के साथ व्यावसायिक सहयोग के माध्यम से बाल शिक्षा और गतिविधि-आधारित शिक्षण से जुड़े प्रयासों में भी योगदान देती हैं।

बाल्यावस्था में सीखने की प्रक्रिया बच्चों के बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होती है। इस अवस्था में खेल, रचनात्मक गतिविधियों, संवाद और अनुभवों के माध्यम से बच्चों को नई अवधारणाएं समझने में सहायता मिल सकती है।

गतिविधि-आधारित शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को केवल जानकारी याद करवाना नहीं, बल्कि उन्हें स्वयं अनुभव करके सीखने के अवसर देना है। इस तरह की पद्धतियां बच्चों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने और सीखने को अधिक रोचक बनाने में सहायक हो सकती हैं।

बाल शिक्षा से जुड़ी ऐसी पहल में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चों की जरूरतों को समझने और उनके विकास के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने में दोनों की भागीदारी उपयोगी होती है।

अभिभावक मार्गदर्शन और पारिवारिक मूल्यों का महत्व

कार्तिकी भोसले के कार्य का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष अभिभावकों को बच्चों की जरूरतों और व्यवहार को समझने के लिए मार्गदर्शन देना है। बच्चों के विकास में परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अभिभावकों का संवाद, प्रोत्साहन और बच्चों के प्रति दृष्टिकोण उनके आत्मविश्वास तथा सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।

उनका प्रयास अभिभावकों और बच्चों के बीच संबंधों को अधिक सकारात्मक बनाने तथा पारंपरिक मूल्यों को आधुनिक शिक्षा पद्धतियों के साथ जोड़ने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य बच्चों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना है, जहां अनुशासन के साथ संवाद, स्वतंत्र विचार और जिम्मेदारी की भावना को भी महत्व मिले।

शिक्षा के माध्यम से सशक्त भविष्य की दिशा

कार्तिकी शिरीष भोसले की यात्रा शिक्षा, मार्गदर्शन और उद्यमिता के बीच एक सार्थक संबंध स्थापित करने का प्रयास है। 'आश्रेय गुरुकुल अकैडमी' के माध्यम से वह विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, शिक्षकों के व्यावसायिक अवसरों और अभिभावकों की भूमिका को एक साथ महत्व देती हैं।

आज जब शिक्षा के स्वरूप में निरंतर बदलाव हो रहा है, तब बच्चों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, रचनात्मकता और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करना भी आवश्यक है। कार्तिकी भोसले की पहल इसी दिशा में आगे बढ़ने का एक उदाहरण है।

उनका उद्देश्य ऐसी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देना है, जो अपनी क्षमताओं को पहचाने, सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखे और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो। शिक्षा के माध्यम से बच्चों और शिक्षकों को सशक्त बनाने का यह प्रयास नई पीढ़ी के बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संपर्क विवरण

नाम: सौ. कार्तिकी शिरीष भोसले

पद: संस्थापक एवं संचालिका, आश्रेय गुरुकुल अकैडमी

स्थान: शीव, मुंबई

फोन: 99206 40470

वेबसाइट: www.ashreya.in

ईमेल: kartiki.bhosale22@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.